तुफानो की और
अभ्यास

1. 'तुफानो की और घुमा दो, नाविक निज पतवार' ऐसा कवि ने क्यों कहा है ?

➢ तूफ़ान कठिनाइयों का प्रतिका है | कठिनाइयों से घबराकर भागना कायरता है | कठिनाइयों का डटकर सामना करने में ही बहादुरी है | जीवन में आनेवाली कठिनाइयाँ मनुष्य को बहुत कुछ सीखा देती है | उनसे हमें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलाती है | इसलिए कवि ने नाविक से कहा है की तुम अपनी नाव तुफानो की और घुमा दो |

2) सागर भी तो यह पहचाने' में क्या पहचानने की बात कही गई है?

➢ 'सागर भी तो यह पहचाने' इस वाक्य में मनुष्य के साहस और शक्ति की बात कही गई है। कवि कहना चाहता है कि ऐसी कोई कठिनाई नहीं है जिसका हल मनुष्य के पास न हो।

3.समस्या आने पर हमें क्या करना चाहिए ?

➢ समस्या आने पर हमें भयभीता नहीं होना चाहिए | शान्ति और धीरज से समस्या का उचित उपाय खोजना चाहिए |

1. 'इस अंधड़ में साहस तोलो' का क्या अर्थ है ?

➢ 'इस अंधड़ में साहस तोलो' का अर्थ है की यह तुम्हारे साह की परीक्सा का समय है | ऐसे कठिन समय में ही मनुष्य को अपने आपको परखने का मौक़ा मिलता है |

Qus . 2 कविता को पथकर नीचे दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए :

किताबें कुछ कहना चाहती है..
किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं।
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं।
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं।
परियों के किस्से सुनाती हैं।
किताबों में रॉकेट का राज़ है।
किताबों में साइंस की आवाज़ है।

किताबों का कितना बड़ा संसार है!
किताबों में ज्ञान की भरमार है।
क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।

- प्रश्न के उचित विकल्प पर का निशान लगाइए :
- (क) किताबों में कौन चहचहाता है ?

A. तोता
B. मोर
C. चिड़ियाँ

- (ख) किताबें किसके किस्से सुनाती हैं?

A. राजा के
B. परियों के
C. किसान के

- (ग) किताबों में किसके लहलहाने की बात है?

A. खेतियों के
B. झरनों के
C. बाग के

(2) नीचे दिए हुए शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(1) परियाँ

- परियाँ स्वर्ग में रहती हैं।

(2) किस्सा

- राम ने मुझे एक किस्सा सुनाया।

(3) संसार

- उद्यम से आपके संसार में चार चांद लग जाएंगे।

(4) भरमार उत्तर :

- मेले में खिलौनों की भरमार थी।

(3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. किताबों में क्या-क्या है?

- किताबों में चिड़ियों की चहचहाहट, खेतों का लहलहाना,झरनों का गुनगुनाना, परियों के किस्से, रॉकेट का राज, साइंस की आवाज़ और ज्ञान का भंडार है।

2. हमें किताबें क्यों पढ़नी चाहिए?

- किताबों से हमें तरह-तरह की जानकारी मिलती है। किताये हमारा ज्ञान बढ़ाती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं। इसलिए हमें किताबें पढ़नी चाहिए।

3. "किताबों में ज्ञान की भरमार है।" ऐसा कवि ने क्यों कहा है?

- किताबों से हमें इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र आणि का ज्ञान होता है। विज्ञान का ज्ञान भी हमें किताबें देती हैं। धर्म की अध्यात्म का ज्ञान भी पुस्तकों से मिलता है। हमें पुस्तकों से विधि विषयों का ज्ञान मिलने से हम कह सकते हैं कि किताबों में ज्ञान े भरमार है।

4. इस काव्य को उचित शीर्षक दीजिए ।

- उचित शीर्षक : किताबें।

Qus . 3 चित्र देखकर नीचे दिए गए शब्दों की मदद से छोटी सी कहानी बनाकर अपने वर्ग

में सुनाइए |

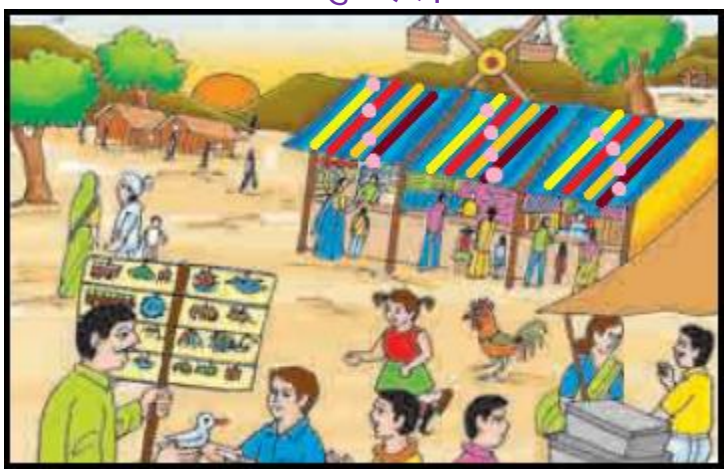

- दीपक नाम का एक लड़का था | एक दिन वह माँ से पैसे लेकर पास के गाव में लगे मेले में गया | साथ में उसका बड़ा भाई योगेश भी | मेले में दीपक ने एक खिलौनेवाले के पास ढेर सारे खिलोने देखे | कई बच्चे उससे खिलौने खरीदा रहे थे | दीपक ने दो रुपये में एक मुर्गा खरीदा | उसे सुरक्षित रखने के लिए उसने मेले से एक बक्सा खरीदा | बक्से में मुर्गा रखकर दोनों भाई घर लौटे |
- मुर्गे के खिलौने के कारण दीपक बहुत खुश था | रात में उसने माँ से कहा, "माँ, तू सबेरा होने पर मुझे मत जगाना | मुर्गा बाद देगा तो में आप की उठ जाउगा |" माँ मुस्कुराई और छुपा रही |
- सबेरा हुआ | सूरज भी निकल आया | दीपक बहुत डेरा से उठा | उसने माँ से पूछा, "क्या मुर्गे ने सुबह बाग़ नहीं दी |" माँ बोली, "अरे दीपक ! तू सचमुच बहुत भोला है | भला, मिट्टी का मुर्गा बाद दे सकता है ?"
- यह सुनकर दीपक के सपने चकनाचूर हो गए |

Qus . 4 आपके गाव में बाढ़ आए तो उस समय आप क्या करेंगे ? गाव छोडकर चले जाएगे या गाँववालो की मदद करेंगे ? अपने विचार कारण सहित बताइए |

- मेरे गाव में बाढ़ आ जाए तो में अपने गाव में ही रहुगा और अपनी यथाशक्ति गाव के लोगो की मदद करुगा |
- गाव पर आपत्ति आने पर गाव छोडकर भागना तो डरपोका की बात है | आपत्ति के समय अपने गाँववालो की मदद करना हमारा कर्त्तव्य है | में अपने पड़ोसियों और मित्रो के परिवारो की हर तरह से सहायता करुगा | मै यथाशक्ति उनकी जरुरतो को पूरा

करने का प्रयत्न करवाउंगा | वो समय मेरा धर्म होगा और साहसपूर्वक इस धर्म का पूरी तरह पालन करुगा |

Qus 5. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विशेषण बनाइए औरउनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) उनकी ईमानदारी से सारा नगर परिचित है।
(2) हमारी अमीरी लोगों को उपयोगी होगी।
(3) हिमालय पर्वत की ऊंचाई देखनेलायक है।
(4) लक्ष्मीबाई वीरता पूर्ण लड़ी।
(5) दूसरों की बुराई करना पाप है।
उत्तर : (1) ईमानदारी - ईमानदार
वाक्य : यह ईमानदार व्यक्ति है।
(2) अमीरी - अमीर
वाक्य : इस होटल में अमीर लोग ही आते हैं।
(3) ऊँचाई - ऊँचा
वाक्य : योग्यता से ही ऊँचा पद मिलता है।
(4) वीरता - वीर
वाक्य : शिवाजी वीर पुरुष थे।
(5) बुराई बुरा
वाक्य : हमें बुरे लोगों से दूर रहना चाहिए।

Qus . 6 कहावतो का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. उलटा चोर कोतवाल को डाटे
   - गलती उनकी है उर दोषा अपने भाई को क्यों ? अरे वाह, उलटा चोर कोतवाल को डाटे !
2. न रहेगा बास, न बजेगी बासुरी |
   - टी.वि के कारण तुम लोग पठने नहीं बैठते तो कल से टी.वि नहीं होगी तो पता चलेगा न रहेगा बास, न बजेगी बासुरी |
3. चार दीं की चादनी फ़िर अंधेरी रात

- सूर्याभाई को सिर्फ दो महीने के लिए पुलिस बना दो | दो महीने में चार दिन की चादनी फ़िर अंधेरी रात हो जाएगी |

4. अब पछताए होता क्या जब चिड़िया चुगा गई खेत

- परीक्षा में फ़ैल होने पर वो रो रहा था तब उसकी माने कहा, "अब पछताए होता क्या जब चिड़िया चुगा गई खेत ?"

स्वाध्याय

1. कवि ने मनुष्य की किस विशेषता की और इशारा किया है ?

- कवि शिवमंगलम सिंह 'सुमन' कहते है की मनुष्य सब कुछ कर सकता है | उसने कभी हार नहीं मानी | वह थकना नहीं जानता | जब तक उसमे सास है, तब तक वह आगे-ही-आगे बढता रहता है | न मनुष्य के साहस की सीमा है और न उसके आत्मविश्वास की | अपने अदम्य साहस और अदभुत आत्मविश्वास के बल पर ही उसने सात सागर पार किए है | इस प्रकार प्रस्तुत कविता में कवि ने मनुष्य के अपार साहस, अथक शक्ति और गजब के आत्मविश्वास की और इशारा किया है |

2. ज्वारा कहा-कहा उठा है ?

- एक और समृद्ध में ज्वार उठा है तो दूसरी और कवि ने हृदय में भावनाओ का ज्वार उठा है | इस प्रकार समृद्ध और कवि-हृदय , इन दो स्थानो पर ज्वार उठा है |

3. समृद्ध ने कैसा रूप धारण किया है ?

- समृद्ध में बड़े जोर का तूफ़ान आया है | उसे देखकर ऐसा लगता है | जैसे वह जहर उगल रहा हो समृद्ध से लहरे इस प्रकार उठ रही है जैसे वे माझी की नाव को निगल जाएगी | तूफानी समुद्वा ऐसा लग रहा है जैसे उसका सामना कोई नहीं कर सकता | सागर के ज्वार ने बड़ी कठिन परिस्थितिया पैदा कर दी है | तूफानी समृद्ध आज अपनी असीम शक्ति दिखाने पर तुला हुआ है | उसकी लहरो ने जैसे मनुष्य की पराजित करने की ठान ली है | इस प्रकार समुद्वा ने बड़ा उग्र रूप धारण किया है |

4. कवि ने मनुष्य को 'मिटटी का पुलटा' क्यों कहा है ?

- मनुष्य धरती पर जन्म लेता है | वह मिटटी में खेल-खेलकर बड़ा हिता है | मिटटी में उत्पन्न होनेवाले पदार्थो से ही मनुष्य का पालन-पोषण होता है | मिटटी उसकी माँ है | मनुष्य के मर जाने पर उसका शरीर मिटटी में ही मिला जाता है | इस प्रकार मनुष्य अपने जन्म से लेकर मृत्यु तक मिटटी से जुड़ा रहता है | मिटटी से मनुष्य की इसी अभिन्नता के कारण कवि ने मनुष्य को मिटटी का पुतला कहा है |

5. माझी का हाथ कब तक नहीं रुकता है ?

- समृद्ध अगर शक्तिशाली है तो मिटटी का पुतला माझी भी काम नहीं है | उसमे अदभुत साहस और अनोखी शक्ति है | इसलिए वह कभी थकता नहीं है | जब तक उसके शरीर में प्राण है, जब तक उसकी सासो में चेतना है, तब तक माझी का हाथ रुकने का नाम नहीं लेता | वह संघर्ष करना नहीं छोड़ता | इस प्रकार माझी अपने अंतिम सास तक कार्य करता है |

6. इस कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए |

- 'तुफानो की और' कविता में कवि 'सुमन' ने बताया है की यह संसार एक सागर है और हरेक मनुष्य अपने जीवनरूपी नाव का नाविक है | संसार में तुफानो - कठिनाइयों की कमी नहीं है | मनुष्य का कर्तव्य है की वह उन कठिनाइयों में अपना धैर्य न खोए और साहस से उनका सामना करे | कठिनाइयों में ही मनुष्य के साहस, बल और बुद्धि की परीक्षा होती है | इसलिए वह कठिनाइयों का स्वागत करे और उन पर विजय प्राप्त करे |